सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

वर्ष : 14 | अंक : 160 | अगस्त : 2023

इस अंक में...

7 सम्पादकीय

8 समसामयिकी घटना संग्रह

9 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्रा

11 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

19 आर्थिक घटना संग्रह

- भारत में ईवी उद्योग के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा
- राष्ट्रीय आय के 2022-23 के अनन्तिम अनुमान जारी
- शहरी बेरोजगारी में 6·8% गिरावट दर्ज की गई

23 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- एनएचएआई ने 'नॉलेज शेयरिंग' प्लेटफॉर्म लॉन्च किया
- रहने के लिहाज से मुम्बई भारत का सबसे महँगा शहर
- IIT मद्रास लगातार 5वें वर्ष शीर्ष स्थान पर बरकरार

26 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- यूनेस्को में जुलाई में फिर से शामिल होगा अमरीका
- एस्टोनिया ने समान-सेक्स विवाह को कानूनी मान्यता दी
- वैश्विक दासता सूचकांक-2023 जारी

29 खेल खिलाड़ी

- भारतीय राष्ट्रीय खेलों के 37वें संस्करण के लिए शुभंकर लॉन्च
- आस्ट्रेलिया विश्व टेस्ट चैम्पियन का महारथी बना
- भारत ने लेबनान को हराकर जीता इंटरकांटिनेंटल कप

33 विज्ञान समाचार

35 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

38 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

लेख

41 **सामरिक परियोजना लेख**—सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जोजिला सुरंग

42 **पर्यावरण लेख**—मरुस्थलीकरण : रेगिस्तान का फैलता साम्राज्य

43 **राष्ट्रीय पशु-संरक्षण लेख**—'प्रोजेक्ट टाइगर' की सफलता के 50 वर्ष

44 **गृहयुद्ध लेख**—ऑपरेशन कावेरी और सूडान के राजनीतिक संकट

46 **तकनीकी लेख**—अब मानव मस्तिष्क पर लगेगी चिप

48 **महापुरुष की जीवनी**—भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक हैं टैगोर

विविध/सामान्य

67 प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता

69 तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-157 का परिणाम

71 रोजगार अवसर

73 अर्द्ध-वार्षिकांक : समसामयिक घटनाएं

हल प्रश्न-पत्र

49 एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) लेवल परीक्षा, 2021

मॉडल हल प्रश्न

58 आगामी बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा, 2023 हेतु विशेष हल प्रश्न

64 आगामी केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन | सम्पादक : राहुल जैन | रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

सम्पादकीय ऑफिस : 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, **आगरा**–282 005 — **फोन**–2531101, 2530966

दिल्ली ऑफिस : 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, **नई दिल्ली**–110 002 — **फोन**–011-23251844, 43259035

पटना ऑफिस : पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, **पटना**–800 004 — **मो**–09334137572

हैदराबाद ऑफिस : 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (यूनियन बैंक के बगल में), **हैदराबाद**–500 036 (तेलंगाना) — **मो**–09391487283

हल्द्वानी ऑफिस : 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी**, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड) — **मो**–07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

आदर्श आचरण के कीर्तिमान स्थापित करें।

आदर्श की विविधता को लक्ष्य करके उपन्यास-सम्राट् प्रेमचन्द ने यह महत्वपूर्ण कथन किया है कि आदर्श की धुन में व्यावहारिकता का विचार न करना ठीक नहीं है. कोरा आदर्शवाद खयाली पुलाव होता है. आप भी जानते होंगे कि अपनी शक्ति और सामर्थ्य से परे किसी आदर्श की चर्चा करने को मनमोदक खाना, आकाश-कुसुम तोड़ना, गूलर के फूल की कामना करना आदि कहा जाता है.

कल्पना अथवा स्वप्न विकासशील मानव-मन को श्रेष्ठतर बनने की प्रेरणा प्रदान करते हैं. इसी उच्चतर मानसिकता को 'आदर्श' भावना के नाम से अभिहित किया जाता है.

विकास एक सतत् प्रवाहमान प्रक्रिया है. विकास के स्तर के साथ आदर्श का स्वरूप श्रेष्ठतर होता जाता है. अतः आदर्श कभी प्राप्त नहीं होता है, वह सदैव प्राप्तव्य बना रहता है.

कल्पनागत विचार या भाव ही मनुष्य को कुछ करने की उत्तेजना प्रदान करते हैं. आदर्श लोगों को एक सुनिश्चित मार्ग पर चलते रहने की प्रेरणा प्रदान करते हैं. इस मार्ग पर चलने वाले दृढ़ निश्चयी मनुष्य मृत्यु तक का सामना करने में संकोच नहीं करते हैं. ऐसा करने में इने-गिने व्यक्ति ही समर्थ हो सकते हैं. सामान्यजन तो अपनी वर्तमान स्थिति को अलाप समझकर अपने हाथ-पैर बचाए रखते हैं. इसी से कहा जाता है कि आदर्श व्यक्ति-साध्य हो सकता है, लोक साध्य नहीं.

आदर्श का मार्ग कंटकाकीर्ण एवं कष्ट साध्य होता है, क्योंकि 'आदर्श' की ओर ले जाने वाला मार्ग सामान्य मार्ग, बंधी हुई लीक वाले मार्ग से भिन्न होता है. उस पर चलने वाले व्यक्ति को वस्तुतः अपना मार्ग स्वयं प्रशस्त करना पड़ता है. आदर्श की ओर बढ़ने वाले व्यक्ति का प्राप्तव्य ऐसा होता है जो सदैव अप्राप्त बना रहता है. इस मार्ग पर चलने वाले व्यक्ति का आचरण जन-सामान्य के आचरण से भिन्न होता है. विचारक स्वेट मार्डेन ने इस संदर्भ में लिखा है कि "अपने आदर्श तक पहुँचने के लिए आपकी आस्था, आपकी श्रद्धा आपकी बहुत सहायता करते हैं."

कर्त्ता के जो कार्य स्मारक का कार्य करते हैं, वे कार्य जन-सामान्य के लिए 'आदर्शों' की स्थापना करते हैं. आदर्श स्थापित करने में समर्थ व्यक्ति सामान्य स्तर से उच्चतर चेतना-सम्पन्न व्यक्ति होते हैं. उनके विचार और उनकी अनुभूतियाँ जन-सामान्य से भिन्न होती हैं. अमरीकी विचारक इमर्सन ने ठीक ही कहा है कि 'महान् आदर्श मस्तिष्क की सृष्टि करते हैं.'

समर्थ गुरु रामदास के शब्दों में– "आदर्श पुरुष सत्कार्य का सर्वथा समर्थन करता है और दुष्कार्य में कभी सहयोग नहीं देता है." समर्थ गुरुदेव का कथन कल्पना मात्र न होकर यथार्थ घटनाओं के निष्कर्ष पर आधारित है.